पंजीकरण संख्या - 966/2007-08

दीनदयाल कामधेनु गौशाला
दीनदयाल धाम फरह, मथुरा-281122
उत्तर प्रदेश

दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति

दीनदयाल धाम फरह, मथुरा (उ.प्र.), पिन कोड - 281122

अणु डाक : deendayalgaushala@gmail.com

जाल पत्र : www.deendayalKgsamiti.com

ANNUAL ACTIVITIES REPORT 2021-22

वार्षिक गतिविधियाँ 2021-22

अंतराष्ट्रीय योग दिवस

दीनदयाल कामधेनु गोशाला समिति
दीनदयाल धाम, फरह, मथुरा

अंतराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2021 को दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति द्वारा गऊ ग्राम परखम में मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के युवाओं एवं समिति के सदस्यों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता की गई ।

धनवंतरी जयंती

दीनदयाल कामधेनु गोशाला समिति
दीनदयाल धाम, फरह, मथुरा

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी समिति द्वारा धनवंतरी दिवस दिनांक 01 नवंबर 2021 को गौशाला फार्मेसी के कार्यालय पर पूजन किया गया । सभी ने सुख शांति के लिए प्रभु से प्रार्थना की ।

आयुर्वेद दिवस

दीनदयाल कामधेनु गोशाला समिति
दीनदयाल धाम, फरह, मथुरा

आयुर्वेद दिवस दिनांक 01 नवंबर 2021 को समिति द्वारा दीनदयाल धाम फरह मथुरा पर मनाया गया । कार्यक्रम मै दीप प्रज्जवलन डॉ० हरिराम भदौरिया द्वारा किया गया । इस अवसर पर फार्मेसी द्वारा निर्मित पंचगव्य उत्पादों एवं आयुर्वेदिक उत्पादों का भी सभी आगंतुकों ने अवलोकन भी किया । इस दिवस पर आयुर्वेद के विषय पर चर्चा वार्ता भी हुई ।

गोपाष्टमी उत्सव

दीनदयाल कामधेनु गोशाला समिति
दीनदयाल धाम, फरह, मथुरा

गोपाष्टमी : दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति द्वारा 20 नवंबर को गोपाष्टमी का पर्व निर्माणाधीन गौग्राम् परखम् मै मनाया गया । गऊ ग्राम परखम मै क्षेत्र प्रचारक महेंद्र जी, हरिशंकर शर्मा, डॉ हरिराम भदौरिया द्वारा गौमाता का पूजन किया गया । इस अवसर पर दीनदयाल धाम मै आयोजित संगोष्ठी मै श्रीमान शंकरलाल जी ने सभी को मार्गदर्शन प्रदान किया ।

कैंसर उपचार शिविर

दीनदयाल कामधेनु गोशाला समिति
दीनदयाल धाम, फरह, मथुरा

समाज को कैंसर जैसी बीमारी के प्रति जागरूक करने एवं इलाज के बारे मै जानकारी देने के लिए समिति द्वारा निशुल्क कैंसर उपचार केंद्र का आयोजन किया गया । आसपास से आए अनेक स्थानीय आगंतुकों ने इस शिविर से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की ।

प्रेस रिपोर्ट

दीनदयाल कामधेनु गोशाला समिति
दीनदयाल धाम, फरह, मथुरा

दीनदयाल धाम में गौ सेवा गतिविधि का प्रशिक्षण

– गौ मय उत्पादों से स्वाबलंबी होने को हुनर सीख रहे हैं किसान

नई बातें

मथुरा। फरह। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा गतिविधि के तत्वावधान में ब्रज क्षेत्र और उत्तराखंड के चयनित किसान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली दीनदयाल धाम में गौ मय उत्पाद बनाने का हुनर सीख रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा गतिविधि के तत्वावधान में प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन गुरुवार को चयनित किसानों को विभिन्न गौमय उत्पादों का प्रशिक्षण दिया गया। बुधवार को शुरू हुए बृज प्रान्त के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में पंतनगर विश्वबिद्यालय के डॉ० भूपेश एवं डॉ० रुपाली शर्मा में जैविक कृषि में कीट प्रवंधन में ट्राईकोडर्मा एवं फेरोमेन ट्रैप के उपयोग पर प्रकाश डाला और तकनीकी जानकारी दी।

फिरोजाबाद के गव्यसिद्ध अरिहंत जैन में पंचगव्य से औषधि निर्माण कैसे हो विषय पर जानकारी दी। डॉ० हरिराम ने आयुर्वेद में गौ मूत्र एवं गौमय का जटिल बीमारियों में उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

आज शुक्रवार को गोपाष्टमी एवं प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर कामधेनु गौशाला समिति दीनदयाल धाम के तत्वावधान में गौशाला में प्रातः 8 बजे से हवन और पूजन किया जाएगा। पूर्वान्ह

11 बजे से गौशाला में गोपाष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

सभी आगंतुकों को प्रसाद वितरण समिति की ओर से किया जाएगा।

इस अवसर पर गौ उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में गौ आधारित अत्याधुनिक मशीनों का पूजन भी किया जाएगा।

गौ मय उत्पादों से स्वाबलंबी होने को हुनर सीख रहे हैं किसान

–दीनदयाल धाम में गौ सेवा गतिविधि का प्रशिक्षण

रिपोर्टर रवनीत कुमार मैसी

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा गतिविधि के तत्वावधान में ब्रज क्षेत्र और उत्तराखंड के चयनित किसान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली दीनदयाल धाम में गौ मय उत्पाद बनाने का हुनर सीख रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा गतिविधि के तत्वावधान में प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन गुरुवार को चयनित किसानों को विभिन्न गौमय उत्पादों का प्रशिक्षण दिया गया। बुधवार को शुरू हुए बृज प्रान्त के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में पंतनगर विश्वबिद्यालय के डॉ० भूपेश एवं डॉ. रुपाली शर्मा में जैविक कृषि में कीट प्रवंधन में ट्राईकोडर्मा एवं फेरोमेन ट्रैप के उपयोग पर प्रकाश डाला और तकनीकी जानकारी दी। काशीपुर उत्तराखंड के प्रशिक्षक नीरज चौधरी में गाय के गोबर से बने विभिन्न डेकोरेटिव उत्पादों जैसे धूपबत्ती, दीपक, मूर्तियां, चप्पलें विभिन्न प्रकार की तस्वीरें आदि

बनाने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षणार्थियों को गौ मूत्र से दवाइयां बनाने जैसे गो अर्क, नेत्र अमृत, जैविक रसायन मुक्त खेती करना एवं जैविक खाद बनाना आदि का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षक नीरज चौधरी ने गौमय उत्पादों के निर्माण एवं उनके विपणन के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। फिरोजाबाद के गव्यसिद्ध अरिहंत जैन में पंचगव्य से औषधि निर्माण कैसे हो विषय पर जानकारी दी। डॉ. हरिराम ने आयुर्वेद में गौ मूत्र एवं गौमय का जटिल बीमारियों में उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। शुक्रवार को गोपाष्टमी एवं प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर कामधेनु गौशाला समिति दीनदयाल धाम के तत्वावधान में गौशाला में प्रातः आठ बजे से हवन और पूजन किया जाएगा। पूर्वान्ह 11 बजे से गौशाला में गोपाष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। सभी आगंतुकों को प्रसाद वितरण समिति की ओर से किया जाएगा। इस अवसर पर गौ उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में गौ आधारित अत्याधुनिक मशीनों का पूजन भी किया जाएगा।

इंडिया डायरेक्ट न्यूज

दीनदयाल धाम में मनाया गया गोपाष्टमी उत्सव

उ.प्र. में राजकोष से पाली जा रही हैं गाय– लक्ष्मी नारायण

फरह।देवेन्द्र गोस्वामी

लक्ष्मी नारायण चौधरी, दुग्ध विकास एवं पशुपालन मंत्री उ.प्र. सरकार ने गोपाष्टमी के अवसर पर दीनदयाल धाम में आयोजित समारोह में कहा कि पूरे देश में ऐसा कोई उदाहरण नही है कि कभी राजकोष से गायों को पाला गया हो। यह उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि पहली बार गौरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने और आज सरकार द्वारा सात लाख गायों के भरण-पोषण का कार्य राजकोष से किया गया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गौ संबर्धन और संरक्षण के किए जा रहे कार्यों को बताते हुए कहा कि अब तक लगभग दो सौ वृहद गौशाला संरक्षण केंद्रों का निर्माण किया जा चुका है और साढ़े पांच हजार गौशालाएं बनाई चुकी हैं। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री जी की योजना है जो भी किसान एक से चार गाय

हमारी गौशालाओं से लेकर रखना चाहे तो उसके भरण पोषण के लिए सरकार प्रति गाय नौ सौ रुपये की धनराशि गौपालकों को देती है।

लक्ष्मीनारायण चौधरी ने कहा कि वर्तमान में गायों के लिए 520 एंबुलेंस उत्तर प्रदेश में शीघ्र कार्यान्वित होने वाली हैं, जिस तरह से व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था है जैसे ही खबर आती है तत्काल एंबुलेंस लेने पहुंचती है। उसी तरह से एक कॉल सेंटर लखनऊ में बनाया जाएगा। कॉल सेंटर का नंबर मिलते ही 15 मिनट में एंबुलेंस सेवा हर गाय पालन के यहां उपलब्ध होगी। यह योजना जनवरी तक विशेष रूप से लागू हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि गाय हमारी माता है इसको हिंदुस्तान में पैदा होने वाला सनातन धर्म का हर व्यक्ति मानता है। आज गायों को लेकर जो समस्या पैदा हुई है वह केवल मशीनीकरण की वजह से है। पहले जो खेती का पूरा कार्य बैलों और बछड़ों के द्वारा होता था। अब वह मशीनों से हो रहा है। गाय पालन के महत्व को जनसामान्य में बताने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शंकरलाल अखिल भारतीय संरक्षक गौ सेवा गतिविधि ने कहा कि कोरोना काल में जो भी व्यक्ति देसी गाय के साथ रहे उनमें से किसी को भी कोरोना नही हुआ। गाय पर शोध की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गाय एक चलता- फिरता डॉक्टर है। गौ पालन करने पर जोर देते हुए बताया कि गाय के दूध के सेवन से मानसिक बीमारियां सहित शरीर की अन्य बीमारियां ठीक हो जाती हैं। शंकर लाल ने गाय के दूध, घी, मठ्ठा, गोबर और गोमूत्र से विभिन्न बीमारियों के उपचार करने पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गाय माता में अथाह शक्ति है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। गाय पशु नहीं, बल्कि गाय हमारी माता है।

अजीत महापात्र अखिल भारतीय संयोजक गौ सेवा गतिविधि ने कहा कि गौ सेवा राष्ट्र और जगत की सेवा है, इसलिए गाय को जगत जननी कहा गया है। उन्होंने गौ आधारित पंचगव्य से चिकित्सा करने पर जोर दिया। घर पर प्रतिदिन गाय के घी से अग्निहोत्र करना चाहिए और हर दिन गाय के दूध का प्रयोग करें।

दीनदयाल धाम में मनाया गया गोपाष्टमी उत्सव

- उ०प्र० में राजकोष से पाली जा रही हैं गाय : लक्ष्मी नारायण

संवाददाता –बांके शर्मा

फरह। लक्ष्मी नारायण चौधरी, दुग्ध विकास एवं पशुपालन मंत्री उ०प्र० सरकार ने गोपाष्टमी के अवसर पर दीनदयाल धाम में आयोजित समारोह में कहा कि पूरे देश में ऐसा कोई उदाहरण नही है कि कभी राजकोष से गायों को पाला गया हो। यह उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि पहली बार गौरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने और आज सरकार द्वारा सात लाख गायों के भरण–पोषण का कार्य राजकोष से किया गया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गौ संबर्धन और संरक्षण के किए जा रहे कार्यों को बताते हुए कहा कि अब तक लगभग दो सौ वृहद गौशाला संरक्षण केंद्रों का निर्माण किया जा चुका है और साढ़े पांच हजार गौशालाएं बनाई चुकी हैं। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री जी की योजना है जो भी किसान एक से चार गाय हमारी गौशालाओं से लेकर रखना चाहे तो उसके भरण पोषण के लिए सरकार प्रति गाय नौ सौ रुपये की धनराशि गौपालकों को देती है।लक्ष्मीनारायण चौधरी ने कहा कि वर्तमान में गायों के लिए 520 एंबुलेंस उत्तर प्रदेश में शीघ्र कार्यान्वित होने वाली हैं, जिस तरह से व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था है जैसे ही खबर आती है तत्काल एंबुलेंस लेने पहुंचती है। उसी तरह से एक कॉल सेंटर लखनऊ में बनाया जाएगा। कॉल सेंटर का नंबर मिलते ही 15 मिनट में एंबुलेंस सेवा हर गाय पालन के यहां उपलब्ध होगी। यह योजना जनवरी तक विशेष रूप से लागू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि गाय हमारी माता है इसको हिंदुस्तान में पैदा होने वाला सनातन धर्म का हर

व्यक्ति मानता है। आज गायों को लेकर जो समस्या पैदा हुई है वह केवल मशीनीकरण की वजह से है। पहले जो खेती का पूरा कार्य बैलों और बछड़ों के द्वारा होता था। अब वह मशीनों से हो रहा है। गाय पालन के महत्व को जनसामान्य में बताने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शंकरलाल अखिल भारतीय संरक्षक गौ सेवा गतिविधि ने कहा कि कोरोना काल में जो भी व्यक्ति देसी गाय के साथ रहे उनमें से किसी को भी कोरोना नही हुआ। गाय पर शोध की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गाय एक चलता–फिरता डॉक्टर है। गौ पालन करने पर जोर देते हुए बताया कि गाय के दूध के सेवन से मानसिक बीमारियां सहित शरीर की अन्य बीमारियां ठीक हो जाती हैं। शंकर लाल ने गाय के दूध, घी, मट्ठा, गोबर और गोमूत्र से विभिन्न बीमारियों के उपचार करने पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गाय माता में अथाह शक्ति है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। गाय पशु नहीं, बल्कि गाय हमारी माता है।अजीत महापात्र अखिल भारतीय संयोजक गौ सेवा गतिविधि ने कहा कि गौ सेवा राष्ट्र और जगत की सेवा है, इसलिए गाय को जगत जननी कहा गया है। उन्होंने गौ आधारित पंचगव्य से चिकित्सा करने पर जोर दिया। घर पर प्रतिदिन गाय के घी से अग्निहोत्र करना चाहिए और हर दिन गाय के दूध का प्रयोग करें।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सूर्यप्रकाश टोंक क्षेत्र संघचालक पश्चिमी उत्तर प्रदेश ने कहा कि की प्राचीन भारत में ऋषि मुनियों ने जो जीवन शैली स्थापित की थी उस कारण से पूरा विश्व भारत की तरफ देखता था। उसे आज अपनाने की आवश्यकता है, जिससे हम फिर से प्राचीन भारत के गौरव को प्राप्त कर सकें। उन्होंने ऋषि–मुनियों द्वारा दी गई पूर्व की जीवन शैली को पुनर्स्थापित करने पर बल दिया।श्री कृष्ण चंद्र शास्त्री भागवताचार्य ने कहा कि गाय विश्व की माता है। वेदों में गौ माता के अनंत अर्थ किए गए हैं। यह जगत जननी हैं। इसके रोम–रोम में देवता निवास करते हैं। पहली बार गोपाष्टमी पर भगवान श्री कृष्ण ने गौचारण शुरू किया। जो देसी गाय के दूध का प्रतिदिन सेवन करते हैं उनके शरीर में कभी कोई विकार नहीं होता है। उन्होंने बताया कि गोमूत्र में स्वर्ण पाया जाता है। डॉ शिवेंद्र कश्यप डीन कृषि महाविद्यालय पंतनगर ने महर्षि पाराशर कृषि ग्रंथ आधारित सिद्धांतों को सभी विश्वविद्यालयों एवं शोध केंद्रों में स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ० हरिराम भदोरिया मंत्री दीनदयाल धाम कामधेनु गौशाला समिति ने समिति द्वारा कराये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षणार्थी अरिहंत जैन ने प्रशिक्षण के अनुभव व्यक्त किये। इससे पूर्व गोपाष्टमी के पावन पर्व पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर सेकेंडरी स्कूल में अतिथियों के द्वारा सामूहिक सिद्धि पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात एकल गीत के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।समारोह में महेंद्र शर्मा क्षेत्र प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पश्चिम उत्तर प्रदेश, बलदेव विधायक पूरन प्रकाश, आगरा विधायक योगेंद्र उपाध्याय, खैरागढ़ विधायक महेश गोयल, पूर्व मंत्री ठा० जयवीर सिंह, दीनदयाल धाम निदेशक सोनपाल, राजवीर दीक्षित प्रांत प्रमुख ग्राम विकास विभाग, रमाकांत उपाध्याय ब्रज प्रांत संयोजक गौ गतिविधि, डा० रोशन लाल, डॉ० रामबाबू हरित अध्यक्ष एससी– एसटी आयोग, नवीन जैन महापौर आगरा, जनार्दन शर्मा सांसद प्रतिनिधि, महामंडलेश्वर स्वामी रूपेश महाराज, केईएन राघवन, मुकुल उपाध्याय हाथरस, नरेंद्र पाठक, प्रचार मंत्री मुकेश शर्मा, चेतन स्वरूप पाराशर, विनोद चौधरी, अवधेश उपाध्याय, ठा० महीपाल सिंह, ब्रजमोहन गौड़, लाल सिंह, राम पाठक, निर्मला दीक्षित, सुरेश तरकर, मुकेश कौशिक आदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक और भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हरेन्द्र सारास्वत एवं प्रमिला राजपूत ने और धन्यवाद ज्ञापन शिवशंकर शर्मा अध्यक्ष दीनदयाल कामधेनु

गो सेवा गतिविधि का प्रशिक्षण शिविर आरंभ

फरह | हिन्दुस्तान संवाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गो सेवा गतिविधि के तत्वावधान में ब्रज क्षेत्र और उत्तराखंड के चयनित किसान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली दीनदयाल धाम में गो मय उत्पाद बनाने का हुनर सीख रहे हैं। इसमें संघ गो सेवा गतिविधि के प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन गुरुवार को चयनित किसानों को विभिन्न गोमय उत्पादों का प्रशिक्षण दिया गया।

बुधवार को शुरू हुए बृज प्रांत के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में पंतनगर विश्वविद्यालय के डॉ. भूपेश एवं डॉ. रुपाली शर्मा ने जैविक कृषि में कीट प्रवंधन में ट्राईकोडर्मा एवं फेरोमेन ट्रैप के उपयोग पर प्रकाश डाला और तकनीकी जानकारी दी। काशीपुर उत्तराखंड के प्रशिक्षक नीरज चौधरी ने गाय के गोबर से बने विभिन्न डेकोरेटिव उत्पादों जैसे धूपबत्ती, दीपक, मूर्तियां, चप्पलें विभिन्न प्रकार की तस्वीरें आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षणार्थियों को गो मूत्र से दवाइयां बनाने जैसे गो अर्क, नेत्र अमृत, जैविक रसायन मुक्त खेती करना एवं जैविक खाद बनाना आदि का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षक नीरज चौधरी ने गोमय उत्पादों के निर्माण एवं उनके विपणन के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। फिरोजाबाद के गव्यसिद्ध अरिहंत जैन ने पंचगव्य से औषधि निर्माण होने की जानकारी दी। डॉ. हरिराम ने आयुर्वेद में गौ मूत्र एवं गौमय का जटिल बीमारियों में उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। शुक्रवार को गोपाष्टमी एवं प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर कामधेनु गोशाला समिति दीनदयाल धाम के तत्वावधान में गोशाला में प्रातः 8 बजे से हवन और पूजन किया जाएगा। पूर्वान्ह 11 बजे से गौशाला में गोपाष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। सभी आगंतुकों को प्रसाद वितरण समिति की ओर से किया जाएगा।इस अवसर पर गो उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में गो आधारित् अत्याधुनिक मशीनों का पूजन भी किया जाएगा।

अग्र भारत

गौ मय उत्पादों से स्वाबलंबी होने को हुनर सीख रहे हैं किसान

दीनदयाल धाम में गौ सेवा गतिविधि का प्रशिक्षण

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा गतिविधि के तत्वावधान में ब्रज क्षेत्र और उत्तराखंड के चयनित किसान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली दीनदयाल धाम में गौ मय उत्पाद बनाने का हुनर सीख रहे है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा गतिविधि के तत्वावधान में प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन गुरुवार को चयनित किसानों को विभिन्न गौमय उत्पादों का प्रशिक्षण दिया गया। बुधवार को शुरू हुए बृज प्रान्त के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में पंतनगर विश्वविद्यालय के डॉ० भूपेश एवं डॉ. रुपाली शर्मा में जैविक कृषि में कीट प्रबंधन में ट्राईकोडर्मा एवं फेरोमेन ट्रैप के उपयोग पर प्रकाश डाला और तकनीकी जानकारी दी। काशीपुर उत्तराखंड के प्रशिक्षक नीरज चौधरी में गाय के गोबर से बने विभिन्न डेकोरेटिव उत्पादों जैसे धूपबत्ती, दीपक, मूर्तियां, चप्पलें विभिन्न प्रकार की तस्वीरें आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षणार्थियों को गौ मूत्र से दवाइयां बनाने जैसे गो अर्क, नेत्र अमृत, जैविक रसायन मुक्त खेती करना एवं जैविक खाद बनाना आदि का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षक नीरज चौधरी ने गौमय उत्पादों के निर्माण एवं उनके विपणन के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। फिरोजाबाद के गव्यसिद्ध अरिहंत जैन में पंचगव्य से औषधि निर्माण कैसे हो विषय पर जानकारी दी। डॉ. हरिराम ने आयुर्वेद में गौ मूत्र एवं गौमय का जटिल बीमारियों में उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। शुक्रवार को गोपाष्टमी एवं प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर कामधेनु गौशाला समिति दीनदयाल धाम के तत्वावधान में गौशाला में प्रातः आठ बजे से हवन और पूजन किया जाएगा। पूर्वान्ह 11 बजे से गौशाला में गोपाष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। सभी आगंतुकों को प्रसाद वितरण समिति की ओर से किया जाएगा। इस अवसर पर गौ उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में गौ आधारित् अत्याधुनिक मशीनों का पूजन भी किया जाएगा।

दीनदयाल धाम में मनाया गया गोपाष्टमी उत्सव

• उ०प्र० में राजकोष से पाली जा रही हैं गाय : लक्ष्मी नारायण

संवाददाता बांके शर्मा

फरह। (मथुरा)लक्ष्मी नारायण चौधरी, दुग्ध विकास एवं पशुपालन मंत्री उ०प्र० सरकार ने गोपाष्टमी के अवसर पर दीनदयाल धाम में आयोजित समारोह में कहा कि पूरे देश में ऐसा कोई उदाहरण नही है कि कभी राजकोष से गायों को पाला गया हो। यह उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि पहली बार गौरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने और आज सरकार द्वारा सात लाख गायों के भरण–पोषण का कार्य राजकोष से किया गया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गौ संबर्धन और संरक्षण के किए जा रहे कार्यों को बताते हुए कहा कि अब तक लगभग दो सौ वृहद गौशाला संरक्षण केंद्रों का निर्माण किया जा चुका है और साढ़े पांच हजार गौशालाएं बनाई चुकी हैं। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री जी की योजना है जो भी किसान एक से चार गाय हमारी गौशालाओं से लेकर रखना चाहे तो उसके भरण पोषण के लिए सरकार प्रति गाय नौ सौ रुपये की धनराशि गौपालकों को देती है लक्ष्मीनारायण चौधरी ने कहा कि वर्तमान में गायों के लिए 520 एंबुलेंस उत्तर प्रदेश में शीघ्र कार्यान्वित होने वाली हैं, जिस तरह से व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था है जैसे ही खबर आती है तत्काल एंबुलेंस लेने पहुंचती है। उसी तरह से एक कॉल सेंटर लखनऊ में बनाया जाएगा। कॉल सेंटर का नंबर मिलते ही 15 मिनट में एंबुलेंस सेवा हर गाय पालन के यहां उपलब्ध होगी। यह योजना जनवरी तक विशेष रूप से लागू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि गाय हमारी माता है इसको हिंदुस्तान में पैदा होने वाला सनातन धर्म का हर व्यक्ति मानता है। आज गायों को लेकर जो समस्या पैदा हुई है वह केवल मशीनीकरण की वजह से है। पहले जो खेती का पूरा कार्य बैलों और बछड़ों के द्वारा होता था। अब वह मशीनों से हो रहा है। गाय पालन के महत्व को जनसामान्य में बताने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शंकरलाल अखिल भारतीय संरक्षक गौ सेवा गतिविधि ने कहा कि कोरोना काल में जो भी व्यक्ति देसी गाय के साथ रहे उनमें से किसी को भी कोरोना नही हुआ। गाय पर शोध की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गाय एक चलता– फिरता डॉक्टर है। गौ पालन करने पर जोर देते हुए बताया कि गाय के दूध के सेवन से मानसिक बीमारियां सहित शरीर की अन्य बीमारियां ठीक हो जाती हैं। शंकर लाल ने गाय के दूध, घी, मट्ठा, गोबर और गोमूत्र से विभिन्न बीमारियों के उपचार करने पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गाय माता में अथाह शक्ति है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। गाय पशु नहीं, बल्कि गाय हमारी माता है। अजीत महापात्र अखिल भारतीय संयोजक गौ सेवा गतिविधि ने कहा कि गौ सेवा राष्ट्र और जगत की सेवा है, इसलिए गाय को जगत जननी कहा गया है। उन्होंने गौ आधारित पंचगव्य से चिकित्सा करने पर जोर दिया। घर पर प्रतिदिन गाय के घी से अग्निहोत्र करना चाहिए और हर दिन गाय के दूध का प्रयोग करें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सूर्यप्रकाश टोंक क्षेत्र संघचालक पश्चिमी उत्तर प्रदेश ने कहा कि की प्राचीन भारत में ऋषि मुनियों ने जो जीवन शैली स्थापित की थी उस कारण से पूरा विश्व भारत की तरफ देखता था। उसे अपनाने की आवश्यकता है, जिससे हम फिर से प्राचीन भारत के गौरव को प्राप्त कर सकें। उन्होंने ऋषि– मुनियों द्वारा दी गई पूर्व की जीवन शैली को पुनर्स्थापित करने पर बल दिया। श्री कृष्ण चंद्र शास्त्री भागवताचार्य ने कहा कि गाय विश्व की माता है। वेदों में गौ माता के अनंत अर्थ किए गए हैं।

यह जगत जननी हैं। इसके रोम–रोम में देवता निवास करते हैं। पहली बार गोपाष्टमी पर भगवान श्री कृष्ण ने गौचारण शुरू किया। जो देसी गाय के दूध का प्रतिदिन सेवन करते हैं उनके शरीर में कभी कोई विकार नहीं होता है। उन्होंने बताया कि गोमूत्र में स्वर्ण पाया जाता है। डॉ शिवेंद्र कश्यप डीन कृषि महाविद्यालय पंतनगर ने महर्षि पाराशर कृषि ग्रंथ आधारित सिद्धांतों को सभी विश्वविद्यालयों एवं शोध केंद्रों में स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ० हरिराम भदोरिया मंत्री दीनदयाल धाम कामधेनु गौशाला समिति ने समिति द्वारा कराये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षणार्थी अरिहंत जैन ने प्रशिक्षण के अनुभव व्यक्त किये। इससे पूर्व गोपाष्टमी के पावन पर्व पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर सेकेंडरी स्कूल में अतिथियों के द्वारा सामूहिक सिद्धि पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात एकल गीत के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। समारोह में महेंद्र शर्मा क्षेत्र प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पश्चिम उत्तर प्रदेश, बलदेव विधायक पूरन प्रकाश, आगरा विधायक योगेंद्र उपाध्याय, खैरागढ़ विधायक महेश गोयल, पूर्व मंत्री ठा० जयवीर सिंह, दीनदयाल धाम निदेशक सोनपाल, राजवीर दीक्षित प्रांत प्रमुख ग्राम विकास विभाग, रमाकांत उपाध्याय ब्रज प्रांत संयोजक गौ गतिविधि, डा० रोशन लाल, डॉ० रामबाबू हरित अध्यक्ष एससी– एसटी आयोग, नवीन जैन महापौर आगरा, जनार्दन शर्मा सांसद प्रतिनिधि, महामंडलेश्वर स्वामी रूपेश महाराज, केईएन राघवन, मुकुल उपाध्याय हाथरस, नरेंद्र पाठक, प्रचार मंत्री मुकेश शर्मा, चेतन स्वरूप पाराशर, विनोद चौधरी, अवधेश उपाध्याय, ठा० महीपाल सिंह, ब्रजमोहन गौड़, लाल सिंह, राम पाठक, निर्मला दीक्षित, सुरेश तरकर, मुकेश कौशिक आदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक और भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वदेश

आगरा - मुख्य संस्करण

13 Nov 2021

दीनदयाल धाम में मनाया गया गोपाष्टमी उत्सव

उप्र में राजकोष से पाली जा रही हैं गाय-लक्ष्मी नारायण

मथुरा। पूरे देश में ऐसा कोई उदाहरण नही है कि कभी राजकोष से गायों को पाला गया हो। यह उत्तर प्रदेश का सौभाग्य है कि पहली बार गौरक्ष पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बने और आज सरकार द्वारा सात लाख गायों के भरण-पोषण का कार्य राजकोष से किया गया है।

उक्त बातें प्रदेश के दुग्ध विकास एवं पशुपालन मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण ने गोपाष्टमी के अवसर पर दीनदयाल धाम में आयोजित समारोह में कहीं। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री जी की योजना है जो भी किसान एक से चार गाय हमारी गौशालाओं से लेकर रखना चाहे तो उसके भरण पोषण के लिए सरकार प्रति गाय नौ सौ रुपये की धनराशि गौपालकों को देती है।

उन्होंने कहा कि गाय हमारी माता है इसको हिंदुस्तान में पैदा होने वाला सनातन धर्म का हर व्यक्ति मानता है। आज गायों को लेकर जो समस्या पैदा हुई है वह केवल मशीनीकरण की वजह से है। पहले जो खेती का पूरा कार्य बैलों और बछड़ों के द्वारा होता था। अब वह मशीनों से हो रहा है। गाय पालन के महत्व को जनसामान्य में बताने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता शंकरलाल अखिल भारतीय संरक्षक गौ सेवा गतिविधि ने कहा कि कोरोना काल में जो भी व्यक्ति देसी गाय के साथ रहे उनमें से किसी को भी कोरोना नही हुआ। गाय पर शोध की आवश्यकता है। शंकरलाल ने गाय के दूध, घी, मट्ठा, गोबर और गोमूत्र से विभिन्न बीमारियों के उपचार करने पर विस्तृत प्रकाश डाला। अजीत महापात्र अखिल भारतीय संयोजक गौ सेवा गतिविधि ने कहा कि गौ सेवा राष्ट्र और जगत की सेवा है, इसलिए गाय को जगत जननी कहा गया है। उन्होंने गौ आधारित पंचगव्य से चिकित्सा करने पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सूर्यप्रकाश टोंक क्षेत्र संघचालक पश्चिमी उत्तर प्रदेश ने कहा कि की प्राचीन भारत में ऋषि मुनियों ने जो जीवन शैली स्थापित की थी उस कारण से पूरा विश्व भारत की तरफ देखता था। उसे आज अपनाने की आवश्यकता है, जिससे हम फिर से प्राचीन भारत के गौरव को प्राप्त कर सकें।

श्री कृष्णचंद्र शास्त्री भागवताचार्य ने कहा कि गाय विश्व की माता है। वेदों में गौ माता के अनंत अर्थ किए गए हैं। यह जगत जननी हैं। इसके रोम-रोम में देवता निवास करते हैं। डॉ शिवेंद्र कश्यप डीन कृषि महाविद्यालय पंतनगर ने महर्षि पाराशर कृषि ग्रंथ आधारित सिद्धांतों को सभी विश्वविद्यालयों एवं शोध केंद्रों में स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. हरिराम भदोरिया मंत्री दीनदयाल धाम कामधेनु गौशाला समिति ने समिति द्वारा कराये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षणार्थी अरिहंत जैन ने प्रशिक्षण के अनुभव व्यक्त किये।

दीनदयाल धाम में गोपाष्टमी पर्व पर गौपूजन करते अतिथिगण व पदाधिकारी।

इससे पूर्व गोपाष्टमी के पावन पर्व पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर सेकेंडरी स्कूल में अतिथियों के द्वारा सामूहिक सिद्धि पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात एकल गीत के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

समारोह में महेंद्र शर्मा क्षेत्र प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पश्चिम उत्तर प्रदेश, बलदेव विधायक पूरन प्रकाश, आगरा विधायक योगेंद्र उपाध्याय, खैरागढ़ विधायक महेश गोयल, पूर्व मंत्री ठा. जयवीर सिंह, दीनदयाल धाम के निदेशक सोनपाल, राजवीर दीक्षित प्रांत प्रमुख ग्राम विकास विभाग, रमाकांत उपाध्याय ब्रज प्रांत संयोजक गौ गतिविधि, डा. रोशन लाल, डॉ. रामबाबू हरित, नवीन जैन महापौर आगरा, जनार्दन शर्मा सांसद प्रतिनिधि, महामंडलेश्वर स्वामी रूपेश महाराज, केईएन राघवन, मुकुल उपाध्याय हाथरस, नरेंद्र पाठक, प्रचार मंत्री मुकेश शर्मा, चेतन स्वरूप पाराशर, विनोद चौधरी, अवधेश उपाध्याय, ठा. महीपाल सिंह, ब्रजमोहन गौड़, लाल सिंह, रामपाठक, निर्मला दीक्षित, सुरेश तरकर, मुकेश कौशिक आदि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक और भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन हरेन्द्र सारस्वत एवं प्रमिला राजपूत ने और धन्यवाद ज्ञापन शिवशंकर शर्मा अध्यक्ष दीनदयाल कामधेनु समिति, दीनदयाल धाम ने किया।

गौ मय उत्पादों से स्वाबलंबी होने को हुनर सीख रहे हैं किसान

–दीनदयाल धाम में गौ सेवा गतिविधि का प्रशिक्षण

रिपोर्टर रवनीत कुमार मैसी

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा गतिविधि के तत्वावधान में ब्रज क्षेत्र और उत्तराखंड के चयनित किसान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली दीनदयाल धाम में गौ मय उत्पाद बनाने का हुनर सीख रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा गतिविधि के तत्वावधान में प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन गुरुवार को चयनित किसानों को विभिन्न गौमय उत्पादों का प्रशिक्षण दिया गया। बुधवार को शुरू हुए बृज प्रान्त के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में पंतनगर विश्वबिद्यालय के डॉ० भूपेश एवं डॉ. रुपाली शर्मा में जैविक कृषि में कीट प्रवंधन में ट्राईकोडर्मा एवं फेरोमेन ट्रैप के उपयोग पर प्रकाश डाला और तकनीकी जानकारी दी। काशीपुर उत्तराखंड के प्रशिक्षक नीरज चौधरी में गाय के गोबर से बने विभिन्न डेकोरेटिव उत्पादों जैसे धूपबत्ती, दीपक, मूर्तियां, चप्पलें विभिन्न प्रकार की तस्वीरें आदि

बनाने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षणार्थियों को गौ मूत्र से दवाइयां बनाने जैसे गो अर्क, नेत्र अमृत, जैविक रसायन मुक्त खेती करना एवं जैविक खाद बनाना आदि का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षक नीरज चौधरी ने गौमय उत्पादों के निर्माण एवं उनके विपणन के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। फिरोजाबाद के गव्यसिद्ध अरिहंत जैन में पंचगव्य से औषधि निर्माण कैसे हो विषय पर जानकारी दी। डॉ. हरिराम ने आयुर्वेद में गौ मूत्र एवं गौमय का जटिल बीमारियों में उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। शुक्रवार को गोपाष्टमी एवं प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर कामधेनु गौशाला समिति दीनदयाल धाम के तत्वावधान में गौशाला में प्रातः आठ बजे से हवन और पूजन किया जाएगा। पूर्वान्ह 11 बजे से गौशाला में गोपाष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। सभी आगंतुकों को प्रसाद वितरण समिति की ओर से किया जाएगा। इस अवसर पर गौ उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में गौ आधारित अत्याधुनिक मशीनों का पूजन भी किया जाएगा।

इंडिया डायरेक्ट न्यूज

किसान गोष्ठी में गौ पालन पर दिया जोर

बांके शर्मा फरह संवादाता

फरह। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के मुताबिक भारत कुछ सालों में कैंसर का सबसे बड़ा देश होगा। इसलिए गौमूत्र की बहुत आवश्यकता है। गौमूत्र की आवश्यकता की पूर्ति के लिए गौपालन करें। उक्त विचार रमाकांत उपाध्याय प्रांत गौ संवर्धन प्रमुख ने किसान गोष्ठी को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा कई गौ अनुसंधान केंद्र खोले गए हैं। गाय का मल–मूत्र खेती में बहुत उपयोगी है। इसके गोबर से बनी जैविक खाद फसल के लिए बहुत ही लाभदायक है। गाय के दूध, घी, मट्ठा का सेवन कर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाये। श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर आचार्य संत स्वामी प्रकाशानंद जी महाराज ने अध्यक्षता करते हुए सभी से आवाहन किया कि सभी को एक गाय अवश्य ही पालनी चाहिए। इससे देश में गौ पालन समृद्ध होगा। मुख्य वक्ता पशु रोग विशेषज्ञ डॉ० पुनीत वार्ष्णेय ने गौवंश को बीमारियों से बचाने, उनके संरक्षण, पालन– पोषण, संबर्धन आदि के विस्तृत जानकारी दी और किसानों की समस्याओं का समाधान किया। डॉ० हरी सिंह भदौरिया, मंत्री कामधेनु गौशाला समिति, दीनदयाल धाम ने गौपालन पर जोर देते हुए कहा कि गौमाता स्वावलंबी है इससे पूर्व अतिथियों के द्वारा पं० दीनदयाल उपाध्याय के चित्रपट के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्पार्चन कर भावांजलि अर्पित की गई। तत्पश्चात सभी अतिथियों का पटका एवं प्रतीक भेंट कर सम्मान किया गया किसान गोष्ठी में निदेशक सोनपाल, राजवीर दीक्षित ग्राम्य विकास प्रमुख ब्रज प्रान्त, मुकेश खंडेलवाल, प्रो० डॉ० तेजपाल सिंह, प्रो० शिवराज भारद्वाज, नरेंद्र पाठक, हरेन्द्र सारस्वत सर्व व्यवस्था प्रमुख, प्रचार मंत्री मुकेश शर्मा, प्रमिला, वेदप्रकाश, राजेन्द्र शर्मा, राजदर्शन पचौरी, मुकेश कौशिक, शरद जोशी, आकाश रावत, गोपीनाथ, सुरेश आदि प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन स्मृति महोत्सव समिति अध्यक्ष अशोक टैंटीवाल ने एवं संचालन महामंत्री डॉ० कमल कौशिक ने किया।

गो सेवा गतिविधि का प्रशिक्षण शिविर आरंभ

फरह | हिन्दुस्तान संवाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गो सेवा गतिविधि के तत्वावधान में ब्रज क्षेत्र और उत्तराखंड के चयनित किसान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली दीनदयाल धाम में गो मय उत्पाद बनाने का हुनर सीख रहे हैं। इसमें संघ गो सेवा गतिविधि के प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन गुरुवार को चयनित किसानों को विभिन्न गोमय उत्पादों का प्रशिक्षण दिया गया।

बुधवार को शुरू हुए बृज प्रांत के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में पंतनगर विश्वविद्यालय के डॉ. भूपेश एवं डॉ. रुपाली शर्मा ने जैविक कृषि में कीट प्रबंधन में ट्राईकोडर्मा एवं फेरोमेन ट्रैप के उपयोग पर प्रकाश डाला और तकनीकी दी जानकारी दी। काशीपुर उत्तराखंड के प्रशिक्षक नीरज चौधरी ने गाय के गोबर से बने विभिन्न डेकोरेटिव उत्पादों जैसे धूपबत्ती, दीपक, मूर्तियां, चप्पलें विभिन्न प्रकार की तस्वीरें आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षणार्थियों को गो मूत्र से दवाइयां बनाने जैसे गो अर्क, नेत्र अमृत, जैविक रसायन मुक्त खेती करना एवं जैविक खाद बनाना आदि का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षक नीरज चौधरी ने गोमय उत्पादों के निर्माण एवं उनके विपणन के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। फिरोजाबाद के गव्यसिद्ध अरिहंत जैन ने पंचगव्य से औषधि निर्माण होने की जानकारी दी। डॉ. हरिराम ने आयुर्वेद में गौ मूत्र एवं गौमय का जटिल बीमारियों में उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। शुक्रवार को गोपाष्टमी एवं प्रशिक्षण के समापन के अवसर पर कामधेनु गोशाला समिति दीनदयाल धाम के तत्वावधान में गोशाला में प्रातः 8 बजे से हवन और पूजन किया जाएगा। पूर्वान्ह 11 बजे से गौशाला में गोपाष्टमी का उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। सभी आगंतुकों को प्रसाद वितरण समिति की ओर से किया जाएगा। इस अवसर पर गो उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में गो आधारित् अत्याधुनिक मशीनों का पूजन भी किया जाएगा।

दीनदयाल धाम में गौ सेवा गतिविधि का प्रशिक्षण

गौ मय उत्पादों से स्वाबलंबी होने को हुनर सीख रहे हैं किसान

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा गतिविधि के तत्वावधान में ब्रज क्षेत्र और उत्तराखंड के चयनित किसान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्मस्थली दीनदयाल धाम में गौ मय उत्पाद बनाने का हुनर सीख रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गौ सेवा गतिविधि के तत्वावधान में प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे दिन गुरुवार को चयनित किसानों को विभिन्न गौमय उत्पादों का प्रशिक्षण दिया गया। बुधवार को शुरू हुए बृज प्रान्त के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में पंतनगर विश्वविद्यालय के डॉ. भूपेश एवं डॉ. रुपाली शर्मा में जैविक कृषि में कीट प्रवंधन में ट्राईकोडर्मा एवं फेरोमेन ट्रैप के उपयोग पर प्रकाश डाला और तकनीकी जानकारी दी। काशीपुर उत्तराखंड के प्रशिक्षक नीरज चौधरी में गाय के गोबर से बने विभिन्न डेकोरेटिव उत्पादों जैसे धूपबत्ती, दीपक, मूर्तियां, चप्पलें विभिन्न प्रकार की तस्वीरें आदि बनाने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षणार्थियों को गौ मूत्र से दवाइयां बनाने जैसे गो अर्क, नेत्र अमृत, जैविक रसायन मुक्त खेती करना एवं जैविक खाद बनाना आदि का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षक नीरज चौधरी ने गौमय उत्पादों के निर्माण एवं उनके विपणन के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

फिरोजाबाद के गव्यसिद्ध अरिहंत जैन में पंचगव्य से औषधि निर्माण कैसे हो विषय पर जानकारी दी। डॉ. हरिराम ने आयुर्वेद में गौ मूत्र एवं गौमय का जटिल बीमारियों में उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गोपाष्टमी एवं प्रशिक्षण के समापन पर कामधेनु गौशाला समिति दीनदयाल धाम के तत्वावधान में गौशाला में प्रातः 8 बजे से हवन और पूजन किया जाएगा। पूर्वान्ह 11 बजे से गौशाला में गोपाष्टमी का उत्सव मनाया जाएगा।